अनुसूची 2—फारम सं० 113

1415 15-378

# संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रम[illegible]-पत्र संख्या..... 19..... आवेदन सं०..... 3643 15-378 19.....

चूँकि श्री... Sri Sharmanand Singh.....

.....ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दे।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणिका में ता०..... 2005 19..... से ता० till date 19..... तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला.....

.....चला है अत: ..... आवश्यक से प्रमाण पत्र /

| क्र० सं० | (क) संपत्ति का विवरण | निष्पादन की तारीख | (ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य | पक्षों के नाम | | दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निदेश | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | निष्पादक | दावेदार | जिल्द | वर्ष | पृष्ठ |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| | mauza Sikandarpur Thana 17 Danapur District Patna | | Tehsil No 5852 Khata No — 41 — Plot No — 74 — Area — 50 Decimal | | | | | |

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

2. बंधक-पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

## निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): [signature]

(पदनाम): U D C

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जांच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): [signature]

(पदनाम): L.P.C

कार्यालय: Danapur

तारीख: 17-3-2018

अवर निबंधन कार्यालय दानापुर (पटना)

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी:–इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति विलेख के [illegible] पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किए गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजो में दिखाया गया हो [illegible] प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्सेक्शनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-५७ के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रवाष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हे निर्दिष्ट संपत्तियो के अवभारों के संबंध पत्रों को जरूरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बाहयों और अनुक्रमाणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

Y किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

✓ और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद छूटे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा छूटे गये ऐसे संव्यवहारो और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला बंधक Danapur 19-3-18

ज्ञाप संख्या 679 दिनांक .....

आवेदक श्री Shrmanand Singh.

का अवभार प्रमाण-पत्र द्वारा State Bank of India Dr J-Road

का उनके पत्र संख्या Y दिनांक 14-3-2018 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है। Patna

निबंधन पदाधिकारी,

SPL-4/0099-2,00,000